



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

---

15 आश्विन 1938 (श०)  
(सं० पटना 852) पटना, शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2016

---

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

11 फरवरी 2016

सं० 3744—श्री ढेलवा गोसाईं एवं हनुमान मंदिर, रामनगरी, सेक्टर-4, आशियाना नगर, पटना-25 बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के तहत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन सं०- 3611 है।

इस न्यास से संबंधित प्रथम आवेदन वर्ष 2004 में मोहन दास उर्फ नागा बाबा द्वारा पर्षद कार्यालय में दिया गया था। आवेदन में न्यास का निबंधन किये जाने का अनुरोध किया गया था। इसके उपरान्त पर्षद में न्यास का निबंधन किया गया। पर्षद को न्यास के भूमि की अतिक्रमण किये जाने की सूचना लगातार प्राप्त होती रही। इस संबंध में पर्षद की ओर से न्यास का स्थल निरीक्षण कराया गया। स्थल निरीक्षण के दौरान जांच पदाधिकारी ने श्री ढेलवा गोसाईं एवं हनुमान मंदिर को एक सार्वजनिक धार्मिक मंदिर पाया। स्थानीय जनता ने न्यास की सम्पत्ति को बचाने के लिए संघर्ष करते हुए न्यास की कुछ सम्पत्ति को अतिक्रमणमुक्त करवाया। पर्षद कार्यालय को स्थानीय जनता की ओर से इस न्यास की व्यवस्था हेतु 11 सदस्यों का नाम प्राप्त हुआ। पर्षदीय पत्रांक-1716, दिनांक 31.08.2015 द्वारा उक्त प्राप्त नामों के चरित्र-सत्यापन हेतु थाना प्रभारी, राजीव नगर को पत्र प्रेषित किया गया। इसके अनुपालन में थानाध्यक्ष, राजीव नगर ने अपने पत्रांक-2143/15, दिनांक 08.09.2015 द्वारा प्रतिवेदित किया कि सभी व्यक्तियों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल प्रविष्टि थाना अभिलेख में दर्ज नहीं है।

उपरोक्त परिस्थिति में न्यास के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण एवं इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा-32 के अन्तर्गत में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास की उप विधि सं० 43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री ढेलवा गोसाईं एवं हनुमान मंदिर, रामनगरी, सेक्टर-4, आशियाना नगर, पटना-25 के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति का गठन किया जाता है।

**योजना**

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री ढेलवा गोसाई एवं हनुमान मंदिर न्यास योजना, रामनगरी, सेक्टर-4, आशियाना नगर, पटना-25” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री ढेलवा गोसाई एवं हनुमान मंदिर न्यास समिति, रामनगरी, सेक्टर-4, आशियाना नगर, पटना-25” जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्तियों की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, तीर्थ-यात्री एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय, न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में, आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के बजट, आय-व्यय की विवरणी, पर्षद शुल्क, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्षद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझी जाय, तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तारित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे, तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास समिति प्रथम बैठक में आपसी सहमति से अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्य का चुनाव कर पर्षद से अनुमोदन प्राप्त करेगी।
  - (1) श्री बिजेन्द्र सिंह वल्द स्व० जनार्दन सिंह
  - (2) श्री बिन्देश्वर प्र० शर्मा वल्द स्व० रामजीवन सिंह
  - (3) श्री बिनदेश्वरी सिंह वल्द स्व० महेन्द्र सिंह
  - (4) श्री अशोक सिंह वल्द स्व० शिवजनम सिंह
  - (5) श्री यमुना मिश्र वल्द स्व० बैद्यनाथ मिश्रा
  - (6) श्री विपिन कुमार ठाकुर वल्द श्री यमुना प्रसाद
  - (7) श्री लक्ष्मण कुमार वल्द स्व० हरिहर प्रसाद
  - (8) श्री नन्द किशोर राय वल्द राम नरेश राय
  - (9) श्री प्रशान्त कुमार वल्द श्री बी० एल० मांझी
  - (10) श्री किशोर कुमार ठाकुर वल्द स्व० छत्रपति ठाकुर
  - (11) श्री चन्द्रमौली शर्मा वल्द स्व० अर्जुन मिस्त्री

सभी का पता-रामनगरी सेक्टर-4, आशियाना नगर, पटना-800025.
13. उपरोक्त वर्णित न्यास समिति का कार्यकाल, अधिसूचना का गजट प्रकाशन होने की तिथि से अगले 05 वर्षों का होगा, लेकिन एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर न्यास समिति की निरन्तरता पर यथोचित निर्णय लिया जा सकेगा।

विश्वासभाजन,  
किशोर कुणाल,  
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 852-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>